सामुदायिक पत्रकारिता प्रशिक्षण कार्यक्रम

अधिकार, समस्याओं के समाधान व बदलाव को आगे लाने में दीदियों का सहयोग जरूरी

पंचायतनामा डेस्क

पंचायतनामा और झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के सहयोग से सखी मंडल के सदस्यों को सामुदायिक पत्रकारिता का प्रशिक्षण दिया गया. रांची, पश्चिमी सिंहभूम और पलामू जिले से आयी 32 दीदियों ने एक सप्ताह तक सामुदायिक पत्रकारिता के गुर सीखी. प्रशिक्षण के दौरान उन्हें यह बताया गया कि कैसे वे अपने आसपास की घटनाओं को लोगों के सामने ला सकती हैं. प्रशिक्षण के क्रम में एक दिन सभी दीदियों को नामकुम प्रखंड के विभिन्न गांवों का भ्रमण कराया गया. गांव की महिलाओं से मिलने और उनकी समस्याओं को सामने से जानने का मौका भी सखी मंडल की इन दीदियों को मिला. इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का उद्देश्य सखी मंडल की सदस्य अपने आसपास की गतिविधियों से लोगों को रूबरू करा सकें.

छह दिवसीय कार्यक्रम का उदघाटन 19 जून को हुआ, जबकि समापन 24 जून को हुआ. कार्यक्रम के को-आर्डिनेटर के रूप में प्रभात खबर के पत्रकार जीवेश रंजन शामिल हुए. साथ ही प्रभात खबर के पत्रकार विनय भूषण और अजय कुमार भी वक्ता के रूप में प्रशिक्षण में शामिल हुए. आजीविका मिशन की ओर से विकास कुमार ने आजीविका मिशन से जुड़ी कई बातों को सखी मंडल की इन दीदियों को बताया.

कार्यक्रम के समापन से पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत करने आयी दीदियों ने अपने अनुभवों को भी साझा किया. साथ ही कई दीदियों ने संयुक्त रूप से कहा कि

- छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम
- सखी मंडल की 32 सदस्य हुईं शामिल
- सामुदायिक पत्रकारिता की सीखा गुर

सामुदायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम से उन्हें काफी लाभ मिला है. प्रशिक्षण के उपरांत अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर क्षेत्र की समस्याओं, अधिकार व बदलाव के बारे में लोगों को पंचायतनामा के माध्यम से बताया जायेगा, ताकि अन्य गांव की दीदियां भी इसका लाभ उठा सके. कार्यक्रम के अंत में उन्होंने एक स्वरचित स्वागत गान भी गाया.

सामुदायिक पत्रकारिता प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेतीं सखी मंडल की सदस्य.

महिला शिक्षित होने से परिवार व समाज में आता है बदलाव

उदघाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रभात खबर के प्रधान संपादक आशुतोष चतुर्वेदी ने कहा कि महिलाओं को शिक्षित होना बहुत जरूरी है. शिक्षित होने से परिवार, गांव व समाज में काफी बदलाव आयेगा. इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य गांव की दीदियों को शिक्षित करने के साथ-साथ अपने अधिकारों व कर्तव्यों के प्रति जागरूक भी करना है. ग्रामीण महिलाएं तीन चीजों पर विशेष ध्यान दें. इसके तहत सरकारी योजनाओं को जानने का पूरा अधिकार महिलाओं को भी है. दूसरा, गांव व समाज की समस्याओं को आगे लाना और तीसरा गांवों में हो रहे बदलाव पर विशेष ध्यान देना है. गांव- पंचायत में होनेवाले बदलाव से ही विकास की दशा और दिशा तय हो सकती है.

प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत करती दीदियां

पश्चिमी सिंहभूम जिले से आयी सखी मंडल की सदस्यों में जानकी गगराई, जयंती गगराई, सुखमति गगराई, बैजयंती देवी, ऊषा देवी, एमंती भेंगरा, आशा तिग्गा, सुकुरमुनी केराई, किरण कुमारी, सुष्मिता महतो, सोनाली गोप, रामेश्वरी देवी, रेशमी गोप, प्रीति कोड़ा, सोनामायी तियू, नंदी कालुंडिया, लक्ष्मी तियू, सीमा मेलगाड़ी, सुशीला देवी, श्रीमती बिरूली व वीणा देवी है. रांची जिले से रूबी खातून, सुचिता देवी, पिंकी महतो, सुषमा लकड़ा, सुषमा देवी, लुनीता देवी, सुमन देवी, प्रीति कुमारी लिंडा व सुमन किस्पोट्टा. वहीं गढ़वा जिला से आशा देवी और पलामू जिले से नयनतारा कुमारी ने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में शिरकत की. ❑

महिला ग्राम संगठन कार्यालय का उदघाटन

झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के तहत संचालित आजीविका महिला ग्राम संगठन ने महिलाएं खासकर ग्रामीण महिलाओं के जीवन में काफी सार्थक और सकारात्मक बदलाव किया है. रांची के आसपास के ग्रामीण इलाकों में ये बदलाव हर घर और छोटे-छोटे समारोह में देखने को मिलता है, जब महिलाएं मुखर होकर सामने आती है और अपनी बात समाज के सामने रखती है. आमतौर पर झारखंड की महिलाओं में यह देखने को नहीं मिलता था, पर जेएसएलपीएस ने यह कर दिखाया है और ग्रामीण महिलाएं अब आगे बढ़ने का सपना भी बखूबी देख रही है. घर की दहलीज लांघ कर पति के साथ कंधे-से-कंधा मिला कर परिवार के लिए कमा रही है और अच्छी जिंदगी के सपने देख रही है, क्योंकि उनके अंदर आत्मविश्वास आ गया है.

सतह पर दिख रहा सार्थक बदलाव

सरिता ने घर की दहलीज लांघ कर समाज में बनायी अलग पहचान

आजीविका से जुड़ी सरिता देवी की जिंदगी आज काफी बदल चुकी है. सरिता देवी बालू गांव में पशु सखी है और आसपास के गांवों में जाकर पशुओं का इलाज करती है. सरिता की जिंदगी में बदलाव की शुरुआत तब हुई, जब सरिता पहली बार शिव शक्ति महिला समूह से जुड़ी और उसके बाद से सरिता ने कभी पीछे मुड़ कर नहीं देखा. साल 2016 में आजीविका मिशन के तहत संचालित बालू महिला आजीविका ग्राम संगठन के द्वारा सरिता को पशु के इलाज के लिए प्रशिक्षण दी गयी. इसके बाद निरंतर मेहनत से सरिता देवी ने इलाके में अपनी एक अलग पहचान बनायी है. सरिता देवी बताती है कि अगर रात में कोई पशुओं की बीमारी की बात कह कर आता, तो वह रात में ही जाकर इलाज कर देती है. लेकिन, यह राह आसान नहीं थी. सरिता के जीवन में आज काफी बदलाव आया है. घर परिवार में खुशहाली आयी है. सबसे बड़ी बात यह है कि सरिता बेझिझक और बेबाक आज भी अपनी बातें रखती है, जो वाकई में एक बड़ा बदलाव दिख रहा है.

ग्राम	बालू
पंचायत	बालू
प्रखंड	कांके
जिला	रांची

ग्राम	बालू
पंचायत	बालू
प्रखंड	कांके
जिला	रांची

लक्ष्मी ग्रामीण क्षेत्रों में दे रही बैंकिंग की सुविधा

बैंकिग का कार्य करना एक जिम्मेदारी भरा काम होता है. बालू गांव की लक्ष्मी देवी आज ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिग की सुविधाएं घर-घर तक पहुंचाने में जुटी है और इसके माध्यम से अच्छे पैसे भी कमा रही है. लक्ष्मी देवी साल 2016 से इस कार्य को कर रही है. आजीविका मिशन के तहत कार्यरत महिला आजीविका संगठन से जुड़कर इनके जीवन में सार्थक बदलाव आया है. ग्रामीण बैंक के लिए लक्ष्मी फिलहाल काम कर रही है, लेकिन काम की शुरुआत करने से पहले वो एक साधारण गृहणी थी. उन्होंने यह कभी नहीं सोचा था कि वो इतना अच्छा काम कर सकती है और परिवार के लिए चार पैसे कमा भी सकती है. बालू महिला आजीविका ग्राम संगठन समूह से जुड़ने के बाद लक्ष्मी निरंतर आगे बढ़ती जा रही है. लक्ष्मी देवी के पास अक्सर लोग जाते हैं और खाता खुलवाने से लेकर बैंकों से संबंधित कार्यों के बारे में जानकारी लेते हैं. साथ ही पैसों का लेन-देन भी बेझिझक करते हैं. लक्ष्मी देवी के पास पीओएस मशीन भी है, जिसके जरिये वो एटीएम के माध्यम से पैसे भी देती है. इसी काम के बदौलत आज बालू और उसके आसपास के गांवों में लक्ष्मी देवी की अपनी खुद की पहचान है.

ग्राम संगठन कार्यालय का उदघाटन

आजीविका महिला संगठन के विस्तार और गांव की हर एक महिला को इससे जोड़ने के लिए राजधानी रांची जिले के कांके प्रखंड स्थित ग्राम बालू और उलातू में ग्राम संगठन कार्यालय का उदघाटन हुआ. कार्यक्रम में कांके विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ जीतू चरण राम, कांके प्रखंड के बीडीओ, जिला परिषद सदस्य अनिल टाइगर, बीजेपी ग्रामीण जिलाध्यक्ष रणधीर चौधरी, प्रखंड कार्यक्रम समन्वयक लवली सिंह समेत पंचायत क्षेत्र के मुखिया और गणमान्य लोग मौजूद थे. इस दौरान उपस्थित लोगों ने महिला समूहों के कार्यों की तारीफ करते हुए महिलाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया है. ❑

ग्राम संगठन कार्यालय के उदघाटन में शामिल विधायक व अन्य.